पवित्र और राजसी याजक (*भाग*-1)

स्वर्गीय तम्बू

रविवार*, 14 *सितंबर*, 2025 – *धर्मोपदेश की रूपरेखा

सच्चा स्वर्गीय तम्बू

निर्गमन 25:9,40

9 जो कुछ मैं तुझे दिखाता हूँ, अर्थात् निवास–स्थान और उसके सब सामान का नमूना, उसी के अनुसार तुम लोग उसे बनाना।

40 और सावधान रहकर इन सब वस्तुओं को उस नमूने के समान बनवाना, जो तुझे इस पर्वत पर दिखाया गया है।

निर्गमन 26:30

और निवास को इस रीति खड़ा करना जैसा इस पर्वत पर तुझे दिखाया गया है।

गिनती 8:4

और दीवट की बनावट ऐसी थी, अर्थात् यह पाए से लेकर फूलों तक गढ़े हुए सोने का बनाया गया था; जो नमूना यहोवा ने मूसा को दिखलाया था उसी के अनुसार उसने दीवट को बनाया।

इब्रानियों 8:1-5

1 अब जो बातें हम कह रहे हैं उनमें से सबसे बड़ी बात यह है कि हमारा ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग पर महामहिमन् के सिंहासन के दाहिने जा बैठा है,

2 और पवित्रस्थान और उस सच्चे तम्बू का सेवक हुआ जिसे किसी मनुष्य ने नहीं, वरन् प्रभु ने खड़ा किया है।

3 क्योंकि हर एक महायाजक भेंट और बलिदान चढ़ाने के लिये ठहराया जाता है, इस कारण अवश्य है कि इस याजक के पास भी कुछ चढ़ाने के लिये हो।

4 यदि वह पृथ्वी पर होता तो कभी याजक न होता, इसलिये कि व्यवस्था के अनुसार भेंट चढ़ानेवाले तो हैं।

5 वे स्वर्ग में की वस्तुओं के प्रतिरूप और प्रतिबिम्ब की सेवा करते हैं; जैसे जब मूसा तम्बू बनाने पर था, तो उसे यह चेतावनी मिली, "देख, जो नमूना तुझे पहाड़ पर दिखाया गया था, उसके अनुसार सब कुछ बनाना।"

इब्रानियों 10:19-22

19 इसलिये हे भाइयो, जब हमें यीशु के लहू के द्वारा उस नए और जीवते मार्ग से पवित्रस्थान में प्रवेश करने का हियाव हो गया है,

20 जो उसने परदे अर्थात् अपने शरीर में से होकर, हमारे लिये अभिषेक किया है,

21 और इसलिये कि हमारा ऐसा महान् याजक है, जो परमेश्वर के घर का अधिकारी है,

22 तो आओ, हम सच्चे मन और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिये हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएँ।

तम्बू की संरचना का अवलोकन

1. बाहरी आँगन

2. पवित्र स्थान

3. परम पवित्र स्थान (परम पवित्र)

बाहरी आँगन

बलिदान की पीतल की वेदी (निर्गमन 27:1–8)

पीतल की हौदी – धोने के लिए पात्र (निर्गमन 30:17–21)

प्रवेश द्वार का पर्दा

पवित्र स्थान

सोने का दीवट (मेनोरा) (निर्गमन 25:31–40)

भेंट की रोटियों की मेज़ (निर्गमन 25:23–30)

सोने की धूप-वेदी (निर्गमन 30:1–10)

वेदी के सींग

सींग किसका प्रतीक थे?

1. प्रायश्चित और प्रतिस्थापन

2. शक्ति, सामर्थ्य और उद्धार

3. शरण और दया

4. प्रायश्चित और मध्यस्थता

पर्दा

परम पवित्र स्थान

वाचा का संदूक (निर्गमन 25:10-22)

प्रायश्चित्त का ढकना (संदूक पर) (निर्गमन 25:17-22)

यीशु: मनुष्यों के बीच परमेश्वर का सच्चा तम्बू

कलीसिया: जीवित मंदिर

नई वाचा के पवित्र और राजसी याजक के रूप में इसे कैसे लागू करें